संस्थान की प्लेटिनम जुबली के अवसर पर आध्यात्मिक मेले का भव्य आयोजन

वडोदरा। दीप प्रज्ज्वलित करते हुए पूर्व सांसद जया ठक्कर, क्षेत्रीय संचालिका डॉ.निरंजना, ब्र.कु.मीणा, दक्षिणामूर्ति आश्रम के सेवासिना परमानंद सरस्वती, ब्र.कु.नरेन्द्र।

वडोदरा। राजयोग द्वारा ही मन को शांति मिलती है तथा आत्मबल व आत्मसंयम बढ़ता है। इसलिए आज हर व्यक्ति को राजयोग सीखना बहुत ही आवश्यक है।

उक्त उद्‌गार पूर्व सांसद जया ठक्कर ने संस्था के 75 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित 'प्लेटिनम जुबली' समारोह में 'एक ईश्वर एक विश्व परिवार आध्यात्मिक मेले' का उद्‌घाटन करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मैंने आज तक स्वर्ग आयेगा ऐसी बातें सुनी थी, अध्यात्म में इसके बारे में बहुत कुछ लिखा हुआ है, परंतु जब मैं ब्रह्माकुमारीज् के मुख्यालय माउण्ट आबू गयी तो मुझे वहां सचमुच में स्वर्ग का अनुभव हुआ। मैंने वहां पवित्र तथा मूल्यनिष्ठ जीवन जीते हुए हजारों भाई-बहनों को देखा, उनके चेहरे से झलकती हुई दिव्य आभामंडल को देखकर ऐसा अनुभव हुआ कि सचमुच यहां कोई दिव्य शक्ति कार्य कर रही है। उन्होंने अपना अनुभव बताते हुए कहा कि राजयोग के द्वारा ही मन को सच्ची शांति मिलती है। राजयोग के द्वारा आत्मबल में वृद्धि होती है तथा आत्मिक दृष्टि होने के कारण दूसरों के प्रति सम्मान की भावना भी जागृत होती है। उन्होंने सभी से अनुरोध करते हुए कहा कि वर्तमान समय में राजयोग सीखना बहुत जरूरी है और उसके लिए समय का बहाना करना माना अपने-आपको धोखा देने जैसी बात बतायी।

दक्षिणा मूर्ति आश्रम के सेवासिना परमानंद सरस्वती ने ब्रह्माकुमारीज् के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था में पुरानी वैदिक संस्कृति और उपनिषद में बताये हुए सिद्धांत एवं भावनाओं को बहुत ही सहज व सरल तरीके से व्यावहारिक जीवन में अपनाने की जो राजयोग विधि है वो वास्तव में सराहनीय है। उन्होंने अपने माउण्ट आबू में 'संत सम्मेलन' प्रवास के दौरान अपने अनुभव को बताते हुए कहा कि 500 संत एक ही स्टेज पर बैठे थे यह दृश्य बहुत ही अनोखा एवं मंगलकारी

शेष पेज 8 पर....

भक्ति बढ़ रही है लेकिन शक्ति नहीं

संस्थान् के द्ववारा 'अमृत-महोत्सव' आयोजन

राजसमंद। वर्तमान समय भक्ति बढ़ती जा रही है लेकिन शक्ति नहीं। व्यक्ति धर्म को लेकर एक-दूसरे से झगड़ रहे हैं लेकिन अपने बारे में कभी नहीं सोचते।

उक्त उद्‌गार माउण्ट आबू की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु.गीता ने जड़िया कॉम्पलेक्स में संस्था के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'अमृत-महोत्सव' को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि मनुष्य का जीवन शरीर, जाति व धर्म के आधार पर अलग-अलग हो गया है लेकिन शरीर को चलाने वाली जो आत्मा है उसका न ही कोई जाति है और न ही कोई धर्म है। उन्होंने कहा कि धर्म भेद समाप्त करने के लिए स्वयं की पहचान आवश्यक है तथा परमात्मा को भी पहचानना आवश्यक है। तभी हम विश्व को एक सूत्र में पिरो सकेंगे और 'वसुद्यैव कुटूम्बकम' की भावना साकार होगी। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव परमात्म अवतरण का संदेश देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। जिससे मनुष्य को सही राह व सही पहचान मिल सके। उन्होंने कहा कि मनुष्य धर्मात्मा, आत्मा व देवआत्मा में सीमित हो गया है। जबकि वह यह नहीं जानता है कि हमें तो सिर्फ एक परमात्मा से ही सम्बन्ध जोड़ना है।

ब्र.कु.गंगाधर ने कहा कि वर्तमान समय दु:ख व अशांति बढ़ती जा रही है। ऐसे समय में राजयोग मेडिटेशन के निरंतर अभ्यास के द्वारा ही व्यक्ति जीवन में सच्ची सुख व शांति का अनुभव कर सकता है। इस संस्था को स्थापित करने के पीछे परमात्म योजना कार्य कर रही है जो कि इस विश्व को परिवर्तन कर सतयुग की स्थापना करना है। उन्होंने बताया कि इन 75 वर्षों के सफर के दौरान इस संस्था को अनेक राष्ट्रीय तथा अंतराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। जिसमें प्रमुख रूप से युनाईटेड नेशन द्वारा संस्था को 'शांति' का पुरस्कार प्रदान किया गया है। उन्होंने बताया कि सर्वप्रथम इस संस्था की स्थापना सन् 1936 में पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हुई थी। सन् 1951 में यह संस्था माउण्ट आबू में स्थानांतरित हो गई। और वर्तमान समय इसकी पुरे विश्व में लगभग 9000 से भी अधिक सेवाकेंद्र हैं। और यह संस्था विश्व के 137 देशों में परमात्म संदेश व मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

उन्होंने संस्था की सफलता का मूल उद्देश्य बताते हुए कहा कि नियमित आत्मवलोकन, सबेरे-सबेरे सामूहिक राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास, सफलता के मुख्य आधार हैं। उन्होंने कहा कि यह विश्व की एकमात्र ऐसी संस्था है जो मानसिक सशक्तिकरण

शेष पेज 8 पर....

राजसमंद। 'प्लेटिनम जुबली' कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्‌घाटन करते हुए पालिका उपाध्यक्ष अर्जुन मेवाड, पालीवाल समाज के अध्यक्ष हरगोविंद, माउण्ट आबू की ब्र.कु.गीता, संपादक ब्र.कु.गंगाधर, ब्र.कु.रीटा एवं ब्र.कु.पूनम।

ओम शांति मीडिया के सम्पादक

सदस्यता शुल्क

भारत - वार्षिक 150 रूपये,
तीन वर्ष 450 रूपये
आजीवन 3500 रूपये
विदेश - 1800 *रूपये (वार्षिक)*

कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें ।

पत्र-व्यवहार

संपादक: ब्र.कु.गंगाधर
ओम् शान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज्, शांतिवन, तलहटी
आबू रोड (राज.) 307510,
Enquiry For Membership - 9414006096
(M)- 9414154344, Email: mediabkm@gmail.com,
omshantimedia@bkivv.org, Website: w.w.w.omshantimedia.info

प्रति

RNI NO RAJHN/2000/721, NEWS PAPER TO POST CONCSSIONAL REGISTRATION NO. RJ/SIROHI/9623/12-14, 12TH TO 14 TH, 22 ND TO 24TH POSTED TO SHANTIVAN POST OFFICE
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, प्रकाशक: ब्र.कु.करूणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज् मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।